हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

10 गांव फूलां से विधानसभा स्तर की सांसद खेल प्रतियोगिता का...

10 किसान सभा का 15वां राज्य त्रिवार्षिक सम्मेलन का...

## खबर संक्षेप

### सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन, तीन काबू

**फतेहाबाद।** सोशल मीडिया पर अवैध रूप से हथियारों का प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने तीन आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों की पहचान ओमप्रकाश पुत्र अमर सिंह निवासी धारनियां, धर्मपाल पुत्र रामसवरूप निवासी धारनिया तथा अनिल कुमार पुत्र जगदीश चंद निवासी ढाणी माजरा जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है।

### फर्जी जन्म प्रमाण पत्र प्रकरण में युवक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** फर्जी दस्तावेज तैयार करने और धोखाधड़ी के मामलों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। आरोपी की पहचान जगदीश प्रसाद सैनी पुत्र ओमप्रकाश सैनी निवासी करम, जिला सिरसा के रूप में हुई है। आरोपी से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। इससे पहले भी इसी मामले में एक आरोपी को काबू किया जा चुका है।

### ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड मामले में आरोपी दबोचा

**फतेहाबाद।** ऑनलाइन फ्रॉड के एक मामले में थाना साइबर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संजय कुमार पुत्र मेघराज निवासी जुस्ताना, जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। आरोपी से 5 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई है। थाना साइबर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक राहुल ने बताया कि सरोज रानी पत्नी कश्मीरी लाल निवासी गांव गदली ने शिकायत दर्ज करवाई।

### बाइक सवार युवक हेरोइन सहित काबू

**फतेहाबाद।** नशा तस्करी करने वालों के खिलाफ जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना जाखल पुलिस ने नाका बंदी के दौरान एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी के कब्जे से 6.77 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि एएसआई पवन कुमार अपनी टीम के साथ अपराध रोकथाम हेतु घग्गर पुल, तलवाड़ा रोड पर नाका बंदी कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर लिया।

### सरकारी जमीन हड़पने की साजिश में आरोपी पकड़ा

**सिरसा।** पुलिस ने सरकारी जमीन हड़पने की एक बड़ी साजिश का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी महावीर को गिरफ्तार किया है। जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी मंजीत सिंह पुत्र रुमाल सिंह ने तहसील कार्यालय नाथूसरी चोपटा के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलकर रजिस्ट्री में रकबा 16 मरले 4 सिरसाई के स्थान पर 118 कनाल 16 मरले दर्शाकर सरकारी जमीन हड़पने की कोशिश की। इस गंभीर अपराध के आधार पर उपायुक्त रिसेटलमेंट फतेहाबाद की शिकायत पर मामला दर्ज किय था।

---

## गोरखपुर के किसान पूरी रात डर के साए में रहे और 60 ढाणियां बनीं टापू

# भाखड़ा नहर की पटरी टूटी
# 300 एकड़ फसल जलमग्न

*ग्रामीणों में रोष, प्रशासन से नुकसान की भरपाई करने की मांग*

भूना। सिधमुख भाखड़ा नहर में आई हुई दरार, गोरखपुर के खेतों में जलभराव व भाखड़ा नहर में आई हुई दरार को पाटते मनरेगा श्रमिक। *फोटो: हरिभूमि*

**40 फुट चौड़ी दरार, रात को ही पाटने में जुटे**

हरिभूमि न्यूज ⏭ भूना

गांव गोरखपुर में शनिवार देर रात सिधमुख भाखड़ा नहर की पटरी टूटने से बड़ा नुकसान हो गया। डूम्मा वाले पुल के पास रात 12 बजे करीब 40 फुट चौड़ी दरार आने के बाद नहर का पानी तेजी से खेतों में भर गया। 300 एकड़ में खड़ी धान और नरमा की फसल पानी में डूब गई, जबकि करीब 60 ढाणियां चारों तरफ से पानी से घिरकर टापू बन गईं। ग्रामीणों की रात खौफ और चिंता में कटी। जैसे ही नहर टूटने की खबर मिली, गांव के सरपंच डॉ. मनदीप योगी तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता पवन कुमार खिचड़ और एसडीओ सुभाष सोनी को इसकी सूचना दी। हालात की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत बलियाला हेड से पानी का बहाव बंद करवाया, साथ ही काजल हेड पर बंद अन्य माइनरों के पट्टे खोल दिए गए, ताकि पानी खेतों में और ज्यादा न फैले।

### 140 मजदूर, जेसीबी व पोकलेन से राहत कार्य शुरू

*नहर टूटने की सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता श्याम ढींगड़ा भी रात को ही मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और विभाग की टीम ने मिलकर रविवार की सुबह से लगभग 140 मनरेगा मजदूरों, 2 जेसीबी, 1 पोकलेन मशीन, और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से नहर की पटरी की दरार को भरने का कार्य शुरू किया। लगातार चल रहे प्रयासों के बाद रविवार दोपहर करीब 3 बजे तक पानी के बहाव को काफी हद तक नियंत्रित कर लिया गया। जब तक नहर का पानी रोका गया, तब तक किसानों की कई एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी थी। खेतों में पानी भर जाने के कारण ढाणियों में रहने वाले लोग अपने ही घरों में फंसे रह गए।ग्रामीणों ने बताया कि ढाणियां टापू जैसी हो गईं, बाहर निकलना मुश्किल हो गया। फिलहाल, बीटी पंपों की मदद से पानी निकालने का कार्य जारी है।*

### किसानों ने विभाग पर साधा निशाना

*घटना के बाद ग्रामीण किसानों में भारी रोष देखा गया। गोरखपुर निवासी धनराज शर्मा, आजाद सिंह, ओमप्रकाश सिवाच, रतन सिंह, राजा शर्मा, बालू राम, साधुराम, देवीलाल बिश्नोई, सुनील शर्मा, जेपी बिश्नोई, योगेश शर्मा और मिट्ठू राम ने बताया कि भाखड़ा नहर का निर्माण 22 साल पहले हुआ था, लेकिन डूम्मा पुल के पास की 5 किमी पटरी अब जर्जर हो चुकी है। क्योंकि झाड़ियों और खरपतवार के कारण पटरी कमजोर हो गई है और यह पिछले वर्षों में पांच बार टूट चुकी है। किसानों का आरोप है कि उन्होंने कई बार विभाग को शिकायतें दीं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। विभाग नहर टूटने के बाद ही हरकत में आता है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाता।*

### मुआवजे की मांग आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने प्रशासन से तुरंत गिरदावरी करवाकर नुकसान की भरपाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार और विभाग ने उनकी बात नहीं सुनी, तो वे जल्द ही आंदोलन शुरू करेंगे।किसानों ने यह भी कहा कि उनकी सालभर की मेहनत इस बार फिर पानी में बह गई, और उन्हें खाली हाथ नहीं लौटना है। एसडीओ सुभाष सोनी ने बताया कि स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है। दरार को अस्थायी तौर पर भर दिया गया है, और स्थायी मरम्मत के लिए विभागीय स्तर पर कार्यवाही की जा रही है।

---

## अक्टूबर में भी 35 डिग्री तक पहुंच रहा पारा

# रबी फसलों की बुवाई को लेकर किसानों में चिंता

- आज से मौसम में बदलाव की जताई संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अक्टूबर मास के पहला हफ्ता बीतने को कहा लेकिन यहां का तापमान अभी भी 35 डिग्री के आसपास घूम रहा है। रविवार को यहां अन्य दिनों की तरह दिन में तेज धूप खिली रही। जिस कारण से लोगों को गर्मी का एहसास होता रहा। दिन का तापमान जहां 35 डिग्री रहा है। हवा की गति कम होने के कारण व तेज धूप रहने से अधिक गर्मी का एहसास हुआ। अक्टूबर के पांच दिन बीतने के बाद भी सूर्य की चमक कम होने का नाम नहीं ले रही है। अक्टूबर महीने की इस गर्मी ने किसानों की चिंता जरूर बढ़ा दी है। क्योंकि 10 अक्टूबर के बाद किसान अपनी रबी की फसल सरसों की बिजाई शुरू कर देते है। मौसम विभाग की तरफ से अभी कुछ राहत भरी खबर आ रही है। आज दोपहर के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा जिस कारण से अगले एक दो दिन बारिश की आशंका भी जताई गई है। अक्सर देखा गया है कि सितंबर माह के अंत और अक्टूबर माह की शुरुआत में चिकित्सकों द्वारा एसी व कूलर का उपयोग न करने की सलाह दी जाती है, लेकिन इस बार तो वर्तमान में पड़ रही गर्मी के कारण खुद चिकित्सक ही एसी और कूलर को छोडऩे की सलाह दे रहे।

### क्या कहते हैं मौसम वैज्ञानिक

चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव तथा बंगाल की खाड़ी में बने एक कम दबाव का क्षेत्र बनने तथा राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनने से नमी वाली हवाएं उत्तर पश्चिमी क्षेत्रों की तरफ आने की संभावना है। इन मौसमी सिस्टमों के प्रभाव से राज्य में 7 अक्टूबर तक ज्यादातर क्षेत्रों में हवाओं व गरजचमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इस दौरान कुछ एक क्षेत्रों में तेज बारिश भी हो सकती है। इस दौरान दिन के तापमान में हल्की गिरावट तथा रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है, परंतु 8 अक्टूबर दोपहर बाद से मौसम साफ हो जाने तथा हवाओं में फिर से बदलाव उत्तर व उत्तर पश्चिमी होने से तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

### मौसम में बदलाव की जरूरत

*कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अक्टूबर महीने में तकरीबन हर किसान चाहता है वह रबी की फसलों की बुवाई समय पर कर सके। 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सरसों की बुवाई अगेती मानी जाती है। लेकिन बदलते हुए मौसम के कारण किसान लगभग 20 अक्टूबर के बाद ही बिजाई कर पाता है। अगर आने वाले दिनों में बारिश होती है, तो वह किसान के लिए फायदेंमद साबित होगी।*

---

## हेरोइन तस्करी का मुख्य सप्लायर काबू

- आरोपी की पहचान विकाश उर्फ लाल बहादुर के रूप में हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सीआईए रतिया पुलिस ने हेरोइन तस्करी प्रकरण में एक और मुख्य आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान विकाश उर्फ लाल बहादुर पुत्र तेजा राम निवासी ढाबी खुर्द के रूप में हुई है। इससे पहले इसी प्रकरण में दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। सीआईए रतिया प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक रिछपाल ने बताया कि इस मामले में पहले गिरफ्तार किए गए आरोपी अमित कुमार निवासी रूपाणा बिश्नोईयान जिला सिरसा और सतीश निवासी जनाणा जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान), हाल गांव पीलीमंदोरी जिला फतेहाबाद, को नशीले पदार्थ के साथ काबू किया गया था।

पुलिस गिरफ्त में हेरोइन सप्लायर।

### प्रारंभिक जांच

प्रारंभिक जांच के अनुसार, 30 सितंबर को थाना भट्टूकलां पुलिस ने नशा रोकथाम अभियान के दौरान गीगोरानी माइनर पुल, गांव ढाबी खुर्द के पास नाका बंदी कर रखी थी। उसी दौरान बाइक सवार दो युवक पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल मोडने लगे, लेकिन अंधेरे और खराब सडक के कारण गिर पड़े। शक के आधार पर दोनों को काबू किया गया। नियमानुसार तलाशी के दौरान अमित कुमार की जेब से एक पारदर्शी पाउच में 5.027 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। पूछताछ में दोनों ने बताया था कि यह हेरोइन उन्होंने विकाश उर्फ लाल बहादुर से खरीदी थी।

---

## चोरी छिपे छोटे किए मोघों के विरोध में धरना

- किसानों में सिंचाई विभाग के खिलाफ नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

चौटाला नहर की टेल तक पानी पहुंचाने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा चोरी छिपे छोटे किए गए मोघों के विरोध में रविवार को गांव जांडवाला बिश्नोईया, सुखेरा खेड़ा, आसाखेड़ा, भारूखेड़ा के किसान एकजुट होकर धरने पर बैठ गए है। शाम चार बजे के दौरान धरने पर बैठे जंडवाला बिश्नोईया के सरपंच मिठूराम व आसाखेड़ा के सरपंच भादर आदि किसानों ने बताया कि चौटाला डिस्ट्रीब्यूटरी से उपरोक्त व आसपास के गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलता है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से डिस्ट्रीब्यूटरी पर बने मोघों से ही सिंचाई पानी की सप्लाई हो रही है। सिंचाई विभाग द्वारा कुछ समय पूर्व चोरी छिपे टेल तक पानी पहुंचाने का हवाला देकर चोरी-छिपे रातों रात फोर्स लाकर मोघों का साइज अपने स्तर पर छोटा कर दिया, जबकि इस संबंधी किसी किसान को कोई नोटिस नहीं दिया गया।

सिरसा। सिंचाई विभाग के खिलाफ रोष जाहिर करते किसान। *फोटो: हरिभूमि*

### पुराना साइज देने की मांग

प्रशासन की इस कार्रवाई से किसानों ने अब स्वयं ही डिस्ट्रीब्यूटरी पर बनाए गए मोघों के आगे दीवार निकाल दी और विभागीय अधिकारियों से कहा कि उन्हें पानी नहीं चाहिए, आप टेल तक पानी ले जाएं। धरनारत लोगों ने कहा कि वर्तमान सरकार में अफसरशाही इतनी हावी है कि बिना किसी सूचना के कार्य कर आम जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार की लचर कार्यप्रणाली से अधिकारियों के हौसले बुलंद हैं। किसानों ने कहा कि जब तक उनके मोघों का साइज पुराना नहीं दिया जाता, वे अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

---

## हमले व हत्या के मामले में इनामी बदमाश दबोचा

- डेढ़ साल से फरार चल रहा था आरोपी, सिर पर था पांच हजार रुपये का इनाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

पुलिस ने हत्या व जमीनी विवाद के मामले में डेढ़ साल से फरार चल रहे पांच हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। रानियां थाना प्रबंधक दिशेन कुमार ने रविवार को बताया कि पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर घटना में प्रयुक्त आल्टो कार भी बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान चंद्रपाल के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी पर पांच हजार रुपये का ईनाम भी घोषित था। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता आदराम पुत्र भगवानाराम निवासी केहरवाला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व उसके साथी भीम सेन पुत्र काशी राम निवासी नथोर ने उसके साथ धोखाधड़ी कर लगभग चार एकड़ 17 मरले जमीन अपनी पत्नी के नाम करवा ली थी। इसी जमीन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा था। आरोपी चंद्रपाल ने अपने साथी बाबूराम व अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर केहरवाला गांव में जमीन पर कब्जा करने की योजना बनाई। सभी आरोपी किराए की आल्टो कार में सवार होकर गांव केहरवाला पहुंचे और भीम सेन के साथ मिलकर आदराम, जोगिंद्र व पृथ्वीराज पर हमला किया।

सिरसा। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया इनामी बदमाश। *फोटो: हरिभूमि*

### गाड़ी बरामद, पूछताछ जारी

पुलिस ने आदराम की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। पुलिस द्वारा लगातार प्रयासों के बावजूद आरोपी फरार चल रहा था, जिस पर पांच हजार रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ कर घटना में प्रयुक्त अल्टो कार बरामद कर ली है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी को आज अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

---

## जान की धमकी देने पर दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

असामाजिक तत्वों और हथियारबंद धमकी देने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को काबू किया है। सुभाष चंद्र पुत्र महेंद्र सिंह निवासी दरियापुर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 अगस्त को अपने भाई गुरमीत सिंह के साथ खेत में पानी की बारी लगाने गया था। उसी दौरान उसका चाचा 2-3 अन्य व्यक्तियों के साथ वहां आ गया। पानी की बारी को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ और शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में धमकाने के आरोपी। *फोटो: हरिभूमि*

### आरोपियो से पूछताछ जारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सदर फतेहाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों जगसीर कम्बोज और जीत सिंह को काबू किया। आरोपियों से पूछताछ जारी है और मामले की नियमानुसार आगे की जांच की जा रही है।

---

## श्री श्याम बगीची धाम में भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन

**सिरसा।** अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में एकादशी के उपलक्ष्य में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि भजन संध्या में राजेंद्र गनेरीवाला ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और भजन- तू रुक नही पाएगा जब बाबा तुम्हे बुलाएगा, तेरा किसने किया श्रृंगार सांवरे, किसी की नैया का तू माझी बन जाता है, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। बाद में दिल्ली से आई भजन गायिका अंशुराज ने बाबा श्याम के श्री चरणों में अपनी हाजिरी लगाते हुए भजन- मेरे सिर पे बाबा श्याम घुमा दे मोर छड़ी सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए।

---

**धर्म-कर्म** भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सुख, समृद्धि और धन की होती प्राप्ति

# शरद पूर्णिमा व्रत आज, कल होगा समापन
# इस दिन पृथ्वी के सबसे करीब होता है चंद्रमा

*पवित्र नदी में स्नान और दान करने से पापों से मिलती मुक्ति*

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

साल के 12 महीनों में आने वाली प्रत्येक पूर्णिमा का धार्मिक महत्व होता है, लेकिन शरद पूर्णिमा का दिन विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सुख, समृद्धि और धन की प्राप्ति होती है। वहीं पवित्र नदी में स्नान और दान करने से पापों से मुक्ति मिलती है। शरद पूर्णिमा का दिन न सिर्फ भगवान विष्णु और लक्ष्मी बल्कि भोलेनाथ की उपासना के लिए भी बेहद शुभ होता है। मान्यता है कि इस दिन शिवलिंग का विशेष अभिषेक किया जाए तो सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। साथ ही जीवन में स्थायी सुख-शांति बनी रहती है। शरद पूर्णिमा छह अक्टूबर को मनाई जाएगी। 6 अक्टूबर सोमवार को दोपहर 12:23 पर पूर्णिमा शुरू होगी तथा इस तिथि का समापन 7 अक्टूबर को सुबह 09:16 पर होगा। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पुजारी पंडित सोनू शर्मा का कहना है कि शरद पूर्णिमा के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करना शुभ माना जाता है।

### शरद पूर्णिमा का महत्व

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस तिथि पर रात के समय चंद्रमा की चांदनी में खीर या दूध रखने से वह अमृत के समान हो जाता है। यह खीर प्रसाद के रूप में ग्रहण करने से रोगों से मुक्ति मिलती है और निरोगी काया प्राप्त होती है। इस तिथि पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा का विधान है, जिससे धन-धान्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

### पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दिन घर पर ही जल में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। व्रत व पूजा का संकल्प लें। भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और साफ वस्त्र धारण करें। चंद्र देव की पूजा करें। उन्हें सुंदर वस्त्र, फल, फूल, अक्षत, धूप, दीप आदि अर्पित करें। गाय के दूध से खीर बनाकर भोग तैयार करें। चंद्र देव त्रको को दूध, चावल और सफेद फूल मिलाकर अर्घ्य दें। अगले दिन सूर्योदय से पहले उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण करें।

### शिवलिंग का अभिषेक करने से बिगड़े काम बनते

*इस दिन विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक करने से बिगड़े काम पूरे होते हैं। साथ ही महादेव की कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि शरद पूर्णिमा की सुबह स्नान करने के बाद शिव मंदिर जाएं और श्रद्धा के साथ जलाभिषेक करें। इसके बाद केसर, बेलपत्र और फूल अर्पित करें। शिवलिंग पर गन्ने का रस, दूध, दही और शहद से अभिषेक करें।*

*पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।*

**- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

*स्त्री अपने दर्द-दु:ख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह दिनचर्या में व्यस्त रहती।*

कहानी

आशा खत्री 'लता'

# कलंक

विवाह के केवल चार महीने बाद ही अंकिता फिर कभी ससुराल न जाने के इरादे के साथ पीहर लौट आई। कुशल-क्षेम जानने के बाद बेटी कितने दिन साथ रहेगी इस उत्सुकता से माँ ने पूछा- 'अमर कब आएगा तुझे लेने?'

माँ के इस प्रश्न पर उस वक्त तो अंकिता मौन साध गई, परन्तु अगले एक दो दिन में ही उसने स्पष्ट कर दिया कि अब वह कभी ससुराल नहीं जाने वाली। यह जानकर उसकी माँ के तो जैसे पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। बड़ी मुश्किल से तो बेटी को एमबीए करवाकर हाथ पीले किए थे। छोटी श्वेता भी तो कॉलेज जाने लगी है। पीयूष दसवीं में हो गया है। मात्र डेढ़ एकड़ का किसान बलजीत और कृष्णा ने अपनी दिन-रात की मेहनत से बच्चों को पढ़ाने का बीड़ा उठाया हुआ है। पढ़ाई के खर्चे और भारी-भरकम फीस ने कभी कृष्णा को पसंद का कपड़ा तक तन से न लगाने दिया। जो पीहर से मिल जाता उसी में सब्र कर वह दो भैसों का दूध बेचकर हर माह कुछ न कुछ बचत करती है ताकि बच्चों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से हो सके। अंकिता के एमबीए करते ही बलजीत ने उसके लिए लड़का देखना शुरू कर दिया। जल्दी ही गाँव से लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित महम में रहने वाले श्रीनिवास के लड़के अमर से उसका रिश्ता तय कर चट मंगनी पट ब्याह की कहावत चरितार्थ करते हुए हाथ पीले कर दिए। बलजीत ने चद्दर से बाहर पैर पसारते हुए बेटी को दहेज में कपड़े, गहने, घर के दैनिक उपयोग का सामान आदि भी दिए ताकि बेटी को पराये घर में किसी चीज की दिक्कत न हो। कृष्णा और बलजीत दोनों को लगता था कि बेटी सुखी रहेगी। वे उसकी जिम्मेदारी से मुक्त हो गए हैं तो कुछ दिनों में अपनी मेहनत से इधर-उधर से लिया गया उधार भी वे जल्दी ही चुका देंगे। परन्तु इतनी शीघ्र बेटी का ससुराल से मोहभंग होना उनके सपनों पर गाज गिरने के समान था। कारण चाहे कुछ भी हो पर बेटी का वापस आकर बैठना! क्या कहेंगे लोग? कहीं बेटी किसी और के चंगुल में तो नहीं है? यह आशंका भी उनके मन में उठी परन्तु भोली-भाली अंकिता का निश्छल स्वभाव उन्हें ऐसा सोचने की अनुमति नहीं दे रहा।

कृष्णा को याद आया कि महीना भर पहले जब अंकिता आई थी तो उसकी एक ही मांग थी 'माँ मेरे लिए अलग बिस्तर बना दो ताकि मैं वहाँ रहकर अलग कमरे में पढ़ाई कर सकूँ।' यह सुनकर उसके हृदय को शूल सी चुभी थी कि बेटी ऐसा क्यों कह रही है। परन्तु उसने अंकिता को सलाह दी 'अभी अपने वैवाहिक जीवन को सुदृढ़ करो पढ़ाई लिखाई तो चलती ही रहेगी।' यह कहकर कृष्णा ने बिस्तर वाली बात अगली बार पर टाल दी थी। परन्तु उसे क्या पता था कि अलग सोने का बहाना करने वाली अंकिता महीने भर बाद कभी वापस न जाने का मन बनाकर लौट आएगी। बलजीत तो बेटियों से कम बात करता है। वह बार-बार कृष्णा को अंकिता का मन लेने को कहता। स्त्री अपने दर्द-दुःख बाँट लेती है लेकिन पुरुष जैसे कुछ खास न हुआ हो, का दिखावा करते हुए भीतर ही भीतर घुलता रहता है। उधर कृष्णा के बार-बार कुरेदने पर भी शांत और उदास सी अंकिता ने कुछ भी संकेत नहीं दिया। पति के प्रति आकर्षण व मिलन के उल्लास का समापन तो ब्याह के माह भर बाद से ही कृष्णा अनुभव कर रही थी, 'परन्तु दूसरे के घर में व्यवस्थित होने में समय तो लगता ही है' सोचकर वह अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहती। उसे तसल्ली इस बात की थी कि अंकिता ने कभी सास-ससुर, देवर, ननद, पति किसी के भी व्यवहार की, किसी तरह की कमी या दुःख की कोई शिकायत नहीं की तो उन्हें लगता रहा कि सब ठीक ही होगा।

कहते हैं न कि दीवारों के भी कान होते हैं। शायद यह सच ही होगा तभी तो अंकिता के ससुराल न जाने की बात गाँव भर में फैल गयी। अब लोगों ने उसे और चटपटी करते हुए नमक-मिर्च लगाकर तलाक की बात तक पहुंचा दिया। बात जब बाहर निकली तो बतंगड़ बनने ही थे। कुछ लोग तो आजकल लड़कियाँ कितनी बिगड़ गयी हैं का उदाहरण अंकिता का नाम लेकर देने लगे। जो भी सुनता एक वाक्य अपनी तरफ से जोड़ ही देता 'आजकल की लड़कियाँ घर कोनी बसावैं' तो कोई कहता 'देख लिया घणी पढ़ावण का नतीजा' और कोई कहता 'छोड़ दी होगी लड़के वालों ने, ये अपनी का कसूर क्यों बतावेंगे' मतलब जितने मुँह उतनी बात। जबकि इस प्रकरण से पहले यही लोग थे जो अंकिता की शराफत का उदाहरण अपनी बेटियों को देते थे।

इन सब बातों को बिना सुने भी अनुभव करते बलजीत कृष्णा बेटी के उतरे मुँह को देख खुद भी उदासी में डूब जाते। माँ भाँति-भाँति के जतन करती उसके मन की बात जानने को, परन्तु सफल न हो पाती। माँ तो माँ होती है अपनी संतान के हित उसके प्रयास कभी थमते नहीं। एक दिन गली में 'सूट ले ल्यो, सूट ले ल्यो' की आवाज सुनकर कृष्णा ने अंकिता को सुनाते हुए पीयूष से कहा 'बेटे बुला तो फेरी वाले को दो-चार अंकिता और एक सूट उसकी सास के लिए ले लेती हूँ।'

'रुक जा पीयूष' बाहर निकलते भाई को अंकिता ने रोका तो उसके पाँव ठिठक गए। 'माँ आप लोगों को कितनी बार कह चुकी कि मुझे वहाँ नहीं जाना।' उसने माँ की ओर देखते हुए कहा।

'पर क्यों नहीं जाना? कोई कारण तो हो? फिर यहाँ क्या करेगी? बाप की छाती पे मूंग दलेगी? देख तेरे छोटे बहन-भाई पर क्या असर पड़ेगा तेरे इस फैसले से। हम लोगों को क्या जवाब देंगे? कभी सोचा है तूने?' कहती हुई माँ रोने को हो आई। अंकिता कुछ जवाब देती, उससे पहले ही मोबाइल की घण्टी बज उठी। उसने मोबाइल पर आया नाम देखकर फोन काट दिया। मैट्रिक तक पढ़ी कृष्णा ने उसकी यह हरकत देखकर मोबाइल उसके हाथ से छीन लिया।

'अमर का फोन' वह बुदबुदाई और अगले ही पल वापस फोन मिला दिया। 'हेलो' 'हाँ बेटे' 'नमस्ते मम्मी। अंकिता तो पता नहीं क्यों मेरा फोन नहीं उठा रही, मैं ये कह रहा था कि मैं कल उसे लेने आ रहा हूँ।' 'ठीक है बेटा, आ जाओ, और सब ठीक हैं घर में?' 'हाँ मम्मी सब ठीक हैं।'

अपनी माँ को मेरी राम-राम कह देना बेटे।' कहकर कृष्णा ने फोन काट दिया। 'अंकिता कल अमर आ रहा है तुझे लेने, जाने की तैयारी कर ले बेटी। वो फेरी वाला भी निकल गया। अब मुझे कपड़े लेने जगदीश बनिया की दुकान पर जाना पड़ेगा।' कृष्णा ने सपाट लहजे में कहा। 'मुझे नहीं जाना माँ।' अंकिता ने धीरे से परन्तु दृढ़ निश्चय के साथ कहा। 'पर क्यों नहीं जाना?' कृष्णा ने उसे कंधों से पकड़कर झकझोरते हुए पूछा।

इस बीच पीयूष किताबें उठाकर जीने की सीढ़ियां चढ़ने लगा। श्वेता कॉलेज और बलजीत खेतों में गए हुए थे। आज कृष्णा भी अंकिता से पूरी बात जानने की ठान चुकी थी। सो, उसने अंकिता को अपने पास बिठाकर उसे गले से लगाते हुए कहा-'कारण कुछ भी हो अंकिता बताना तो पड़ेगा तुझे, नहीं तो कल जाना पड़ेगा। मैं तेरी माँ हूँ, तू अपना दुख मुझसे नहीं कहेगी तो किस से कहेगी बेटी। यदि तू पूरी बात बताएगी तो हमें भी तुझे समझने में आसानी रहेगी।' कृष्णा कारण जानने को व्याकुल थी मगर अंकिता का मौन टूटने का नाम ही नहीं ले रहा था। हार कैसे मानती तो फिर एक बार माँ के उत्तरदायित्व ने हौसला दिया- 'देख अंकिता तेरे पिता कितने चिंतित रहते हैं तेरे लिए। आये दिन लोगों को हार्टअटैक की घटनाएं हो रही हैं तेरे पापा को कहीं कुछ हो गया तो...'और वे रुआँसी हो आयी।

'माँ, मैं क्या बताऊँ, कैसे बताऊँ कि सच क्या है। आपने तो घर-नौकरी देखकर मेरा ब्याह कर दिया। मुझे भी वहाँ कोई दिक्कत नहीं किसी से...'कहते हुए अंकिता के होंठ फिर से सिल गए।'

देख बेटा बताना तो पड़ेगा तुझे। हमारी हालत देख रही है न तू। तुम तीनों की पढ़ाई-लिखाई के साथ तेरे ब्याह में उठाये कर्ज के ब्याज का भी भुगतान हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।' 'माँ, मैं नौकरी करूँगी। पापा का हाथ बटाऊंगी, सुबह शाम आपके साथ भैंसों का, घर का काम भी करूँगी पर वहाँ मत भेजो माँ, मुझे वहाँ मत भेजो।' कहते हुए अंकिता फफक पड़ी।' पर क्यों ना भेजूँ मेरी लाडो, बात तो बता।'

'माँ, उसे मेरी जरूरत नहीं है वह किसी और लड़के के साथ...'

'लड़के के साथ...' कृष्णा हतप्रभ रह गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि माजरा क्या है। 'माँ, यह मुझ से तो बात ही नहीं करता है। रात को कभी माँ के पास जाकर सो जाता है तो कभी दादी के पास। अभी कुछ दिनों पहले जब ये नहाने गया हुआ था तो इसका फोन बजा। मैंने उठाया तो उधर से कहा गया, तुम कौन हो? मैंने कहा मैं उनकी पत्नी हूँ। तो उसने कहा तू इसकी कुछ नहीं है। मुझसे वादा खिलाफी नहीं कर सकता अमर। हम दोनों साथ रहेंगे। उसकी पत्नी बनकर तो मैं रहूँगा। तुम दफा हो जाओ इसकी जिंदगी से। 'क्या बकवास कर रहे हो तुम' मैंने कहा तो वह गुर्राया-'बकवास नहीं कर रहा हूँ ज्यादा चूं-चपड़ की तो खत्म कर दूँगा तुझे, न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी। और सुन यकीन नहीं आता तो वीडियो भेजता हूँ अभी, देख लेना।' और माँ उसने तत्काल दो वीडियो भेजी। जिन्हें मैंने अपने नम्बर पर फारवर्ड कर अमर के फोन से तत्काल डिलीट कर दिया।

'वीडियो दिखा' कृष्णा ने उतावली होते हुए कहा। अंकिता ने मोबाइल की गैलरी में वह वीडियो टिक कर मोबाइल माँ को थमा दिया। दो पुरुषों की ऐसी गन्दी, घिनौनी वीडियो देखकर कृष्णा की हालत खराब हो गई। यह सब तो जिंदगी में न सुना, न कल्पना की। 'कोई बात नहीं बेटी। आने दे तेरे पापा को मैं बात करती हूँ।' कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात बलजीत को बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो। वह जरूर कुछ समाधान सोचेगा।' हाँ विपिन को तो मैंने वैसे भी बता दिया था कि अंकिता ससुराल जाने से मना कर रही है। उसने कहा भी था कि कोई गम्भीर बात ही होगी। वरना हमारी अंकिता ऐसा क्यों कहती।'

*कुछ पल सोचकर कृष्णा ने बलजीत को फोन मिलाया- 'कहाँ हो? ज्यादा जरूरी काम ना हो तै घरां आ जाओ।' 'आऊँ सूँ' कहकर बलजीत ने फोन काट दिया। कुछ देर बाद बलजीत आ गया तो कृष्णा ने एक तरफ बैठकर सारी बात उसको बताई, जिसे सुनकर बलजीत भी हैरान, परेशान हो गया। कृष्णा ने अंकिता को चाय बनाने को कहा और बलजीत को समझाने लगी कि बात बहुत गम्भीर है, तुम विपिन से बात कर लो।*

शाम को बड़े भाई का बेटा विपिन घर आया तो बलजीत ने उसे बुला भेजा-'आ जा विपिन आज चाय यहीं बना देगी अंकिता'

'आता हूँ काका' कहते हुए दो मिनट में ही विपिन आ गया। बलजीत ने उसे शुरू से आखिर तक सारी बात बतायी, वीडियो भी दिखाई। उसे आश्चर्य तो बहुत हुआ पर उसने यही कहा कि यह बीमारी भी अब फैल रही है। आपने सुना ही होगा दो-तीन वर्ष पहले नजदीक के ही शहर में ऐसे ही एक चक्कर में विरोध करने पर एक युवक ने अपने परिवार को ही मौत के घाट उतार दिया था। यह सुनकर बलजीत के बदन में झुरझुरी सी आ गयी। 'अब क्या होगा विपिन?' 'होगा क्या काका पहले तो कल अमर आ रहा है उससे पूछ लेते हैं। उसके बाद आगे की सोचेंगे। अगले दिन अमर के पहुँचते ही बाट जोह रहे बलजीत व विपिन ने उसे बैठक में बिठाकर चाय-पानी के बाद जानना चाहा कि मामला क्या है? अमर तो इस चालाकी में था कि जैसे अंकिता को कुछ पता न उसके घरवालों को। 'ऐसा कुछ नहीं है' कहते हुए वह पहले तो साफ मुकर गया। परन्तु विपिन ने उसे बातों में घेरते हुए कहा कि सबूत है मेरे पास।' सबूत तो तब होंगे न जब कुछ होगा' अमर को अपने रुख पर कायम देख विपिन ने उसे वीडियो दिखाई तो अमर सन्न रह गया। उसे एकदम से पसीना आ गया। 'यह तू है न दूसरे लड़के के साथ?' विपिन ने पूरे आवेश में उस पर मुक्का तानते हुए कहा। 'हाँ' कहते हुए अमर ने गर्दन झुकाकर आँखें धरती में गड़ो दी। 'अब तू यहाँ से भाग कल हम आते हैं तेरे घर अपने बाप को बता देना।' अत्यंत क्रोध में बलजीत चिल्ला पड़ा। अमर तुरन्त सटक गया। अंकिता को कलेजे से लगाये उसकी माँ रो पड़ी- 'मेरी बेटी जैसी गयी थी वैसी ही आ गयी। मैं इसकी दूसरी शादी कर दूँगी। पर जो दुहेजू होने का कलंक इस पर लग गया, इसे कैसे हटाऊँ?

---

लघु कथा | वीना सिंह

## कागज़ की नाव

पानी मटमैला था, लेकिन आँखें चमक रही थीं।
बरसात के बाद गाँव की उस पतली सी नाली में बहता पानी जैसे कोई
समंदर हो, और उसका कप्तान—वो
नन्हा बच्चा। टूटी हुई चप्पलें, आधे गीले कपड़े, गले में एक काली डोरी और
हाथ मेंङ्क कागज की नाव।
वो नाव उसकी कल्पना थी—कभी जहाज बन जाती, कभी युद्धपोत। और
उसके होंठों पर खिलती मुस्कान,
किसी विजेता की सी।
"डूबेगी नहीं?" पीछे से किसी ने पूछा।
उसने बिना मुड़े कहा, "नहीं! मेरी बनाई है। इसे सपनों से जोड़ा है, पानी से
नहीं।"
दूर बैठा बूढ़ा दादा, जो कभी अपने बचपन में ऐसी ही नावें बहाया करता था,
चुपचाप मुस्कुराया। उसे याद
आया, बरसात में बहता पानी कभी सिर्फ पानी नहीं होता—वो बचपन की
सबसे पवित्र नदी होती है, जिसमें न
कोई डर होता है, न कोई कल की चिंता।
बारिश थम चुकी थी, लेकिन उसके सपनों की नाव बहती रहीङ्क उस नाली में
नहीं, उस आजादी में, जो सिर्फ बचपन जानता है।

कविता

राज ख्यालिया

### संगीत

संगीत जब मन को छू जाए,
आत्मा का द्वार खुल जाए।
धुनों में बहती सुध-बुध सारी,
जैसे हो साधना कोई प्यारी।

नाद उठे शिव का डमरू बोले,
वहीं सत्य समाधि के स्वर डोले।
कृष्ण की बंसी जब जहाँ भी गूंजे,
योग की भाषा खोजो तुम खुद में

कला बसी नृत्य की थिरकन में
चित्रकला बहती है रेखाओं में।
शब्दों की रचना में,भावों की बात,
मिले मन को शांति, स्वमं के साथ।

हस्तशिल्प की बुनावट गहरी,
मानवता की कथा कह रही।
रचनात्मकता के हर रंग में,
मन पाता है शांति उमंग में।

जब थकी लगे जीवन की चाल,
ले संगीत, चित्र या राग-माल।
मन के बोझ को हल्का कर लो,
हर चिंता को तितली कर दो।

कभी अकेले में गुनगुनाओ,
या बच्चों संग खिलखिलाओ।
कभी बिखराओ रंग सपनों के,
या थिरको सुरों के धुनों में।

कला ध्यान का सहज उपाय,
तन मन को देता सुकून प्राय:।
योग का यह नया विस्तार,
कला में प्राणों का संचार।

कविता

डॉ.कमलेश मलिक

### मां दुर्गा

स्मरण तुम्हारा आते ही मां
पुलकित हो जाता है तन मन

भिन्न-भिन्न रूपों में आकर
भक्तों को खूब रिझाती हो
सब की मांगे अपनी-अपनी
तुम सब पर प्यार लुटाती हो

धूप -दीप - नैवेद्य यही है
कर लाई हूं कुछ शब्द चयन

ब्रह्मचारिणी कहला कर भी
तुम गौरी मां बनकर आयीं
तुम कालरात्रि भी बनी कभी
तुम सिद्धिदात्री भी कहलायीं

हे ! कल्याणी हे! कात्यायिनी
तुमको अर्पित हैं भाव सुमन

हे! आदि शक्ति तुम जगजननी
अमृत बरसाने वाली हो
इस रूखी सूखी धरती को
तुम ही सरसने वाली हो

मैं ढूंढ रही अंतर्घट में
हाथों में मेरे है दर्पण

---

**साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा का कहना है कि युवा पीढ़ी पोर्नोग्राफी वीडियो को सर्च करने में अपना समय बर्बाद कर देती है, लेकिन साहित्य से जुड़ी सामग्री सर्च करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने चिंता जताई कि मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित गोदान को बच्चा अपने पाठ्यक्रम में होने के कारण उसके प्रश्न-उत्तरों को रट करके परीक्षा दे देता है। ऐसे में गोदान पढ़ने का जो मजा है, वह कैसे आएगा। प्रेमचंद तो गोदान में है, प्रेमचंद गोदान के प्रश्न-उत्तरों में नहीं है।**

साक्षात्कार | शमशेर सैनी

# साहित्य पाठन से दूर हो रही नई पीढ़ी : डा. शमीम शर्मा

वर्तमान समय में साहित्य बहुत लिखा जा रहा है। आज हर दिन कविता की नई किताब आ रही है लेकिन चिंता का विषय यह है कि उन्हें पढ़ कौन रहा है। पुस्तकें मूल्यांकन के लिए साहित्य अकादमियों के पास पहुंच जाती हैं और डिस्ट्रीब्यूट हो जाती हैं। आज पाठक वही है, जो लेखक है। नई पीढ़ी साहित्य से दूर होती जा रही है। उनकी साहित्य में कोई रुचि नहीं है। काव्य, कहानियां, उपन्यास इन सब से युवा कोसों दूर हो गए हैं।

यह कहना है हरियाणा साहित्य जगत में महिला साहित्यकार एवं शिक्षाविद् के रूप में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली डॉ. शमीम शर्मा का। साहित्यकार डॉ. शर्मा हरिभूमि के साथ विशेष बातचीत कर रही थीं। उन्होंने साहित्य की शुरुआत से लेकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति कम होती रूचि जैसे विषय पर लंबी चर्चा की। डॉ. शर्मा ने कहा कि साहित्य क्या लिखा जा रहा है, कितना लिखा जा रहा है, यह तो बाद का प्रश्न है, जो लिखा जा रहा है, वो इतना सजावटी हो गया है कि जैसे हमारी पांडुलिपियां हैं, उन्हें लाल वस्त्रों में लपेटकर रखा गया है। वर्षों से रखी हुई है। कोई उनको पढ़ता नहीं, खोलता नहीं। मुंशी प्रेमचंद, महाकवि जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला यह लाइब्रेरी की सज्जा हो गए हैं। जैसे घर में सजावट का सामान रखा हो। न उन्हें कोई गले लगाते हैं, न कोई उन्हें स्पर्श करता है। उसी तरह से किताब होती जा रही है। एक समय था जब लोग साहित्य पढ़ने को लालायित होते थे। पढ़ने का शौक इतना प्रगढ़ था कि लोग साहित्य, पात्रिकाएं किराए पर लेकर पढ़ते थे। उस समय पढ़ने का बड़ा महत्व था। आज के परिप्रेक्ष्य में हम देखते हैं कि जो पढ़ने का शौक होता था वह शौक धीरे-धीरे यह मोबाइल खा गया है। बिना साहित्य के पली पीढ़ी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में घरों से किताबें गायब होती जा रही हैं। इसका नतीजा यह है कि युवा साहित्य से बेखबर हैं। बिना साहित्य के पली पीढ़ी समाज के लिए नुकसानदायक है। अच्छे साहित्य की पहचान न होना, अच्छे लेखकों को बेहतर मौके न मिल पाना और खराब साहित्य का प्रचलन में आना भी समाज के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि पुष्पक विमान है, जिसने रामचरितमानस पढ़ी नहीं, उसको क्या पता कि हमारे यहां हजारों साल पहले पुष्पक विमान की खोज हो चुकी थी। वर्तमान में विश्व के कई देश युद्ध के दौरान मिसाइल छोड़ रहे हैं। हमारे यहां तो महर्षि वाल्मीकि ने रामायण में 5000 साल पहले ही अग्नि बाण, वायु बाण आदि का जिक्र कर दिया था।

### प्रकाशित पुस्तकें

कुरुक्षेत्र हस्ताक्षर (लघुकथा संग्रह), अजन्मी बेटी की चिट्ठी (विचारोत्तेजक आलेख), पंचनाद (संतों की वाणी में क्रांति चेतना), चौपाल के मखौल, चौपाल के चाले. (हरियाणवी हास्य), एक बिटिया तो जरूरी है (लघुकथा संग्रह), रोशनी है हम (कविता संग्रह), मंगल सूत्र और मेडल (महिला सशक्तीकरण पर आधारित निबन्ध), कोरोना की चिंगारियां (विचारपरक निबन्ध) बेटे बेटियों में खूब फर्क है, दो नंबर वाली लक्ष्मी (विचारोतेजक आलेख), जादूभरा साथ (कविता संग्रह) प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. शमीम शर्मा

### पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी ने डॉ. शमीम शर्मा को वर्ष 2017 के लिए श्रेष्ठ महिला रचनाकार सम्मान से नवाजा है। वर्ष 2009 में हरियाणा सरकार द्वारा प्रकाशित हरियाणा एन्साइक्लोपीडिया का संपादन किया। हरियाणा हिंदी साहित्य अकादमी से भी उन्हें 'विशिष्ट हिंदी सेवी' पुरस्कार मिला है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक मिला। 2001 की जनगणना में सराहनीय सहयोग के लिए राष्ट्रपति के रजत पदक का सम्मान मिला।

### सोशल मीडिया पर फर्जी फॉरवर्ड

सोशल मीडिया पर डाली पोस्टों को फर्जी फॉरवर्ड बताते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि वाट्सएप और फेसबुक करते-करते हम मैसेज यहां से वहां और वहां से वहां भेज रहे हैं। कई बार मैं देख रही होती हूं कि सोशल मीडिया में पोस्ट की गई कहानी के नीचे महादेवी वर्मा लिखा होता है, जबकि महादेवी वर्मा ने कोई कहानी लिखी ही नहीं। लोग ऐसे ही फर्जी फॉरवर्ड कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वायरल पोस्टों में उनकी प्रमाणिकता का पता नहीं है, लेकिन भेड़ चाल की वजह से पोस्ट पर पोस्ट किए जा रहे हैं।

### व्यक्तिगत परिचय

**नाम :** डॉ. शमीम शर्मा
**जन्म :** 17 मार्च 1959
**जन्म स्थान :** गांव जुम्बा, जिला मलोट (पंजाब)
**शिक्षा :** एमए (स्वर्ण पदक प्राप्त), एमफिल(स्वर्ण पदक प्राप्त), पीएचडी(हिन्दी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र।

### पहले लाइब्रेरी में सीट नहीं, अब वहां विद्यार्थी नहीं

लाइब्रेरी से जुड़े अपने अनुभव को साझा करते हुए डॉ. शमीश शर्मा ने कहा कि जब हम लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाते थे तो हमें बैठने को सीट तक नहीं मिलती थी, लेकिन वर्तमान में लाइब्रेरी में सीट तो हैं, परंतु विद्यार्थी नहीं मिलते। डॉ. शर्मा ने बताया कि साहित्य से जुड़े होने के कारण मैंने अपने कॉलेज में भी लाइब्रेरी के लिए स्पेशल एक पीरियड बनाया हुआ है। उसमें हम बच्चों को धक्के से लाइब्रेरी में लेकर जाते हैं, ताकि बच्चे वहां जाकर पढ़ें। साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाने पर जोर देते हुए साहित्यकार डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि समाज में हमें युवाओं को पढ़ाने की तरफ अग्रसर करना होगा। उनको प्रेरित व जागरूक करना होगा कि बिना साहित्य पढ़े, हमें न तो अपने अतीत का पता चलेगा और न ही हम अपने भविष्य की सोच पाएंगे।

---

# समाज की परतों को उजागर करती 'ताश का घर'

**पुस्तक :** ताश का घर
**लेखिका :** सविता स्याल
**मूल्य :** 250 रुपये
**प्रकाशक :** कौशिक पब्लिशिंग हाउस

पुस्तक समीक्षा | डॉ. अंजना गर्ग

साहित्य सदा से समाज का दर्पण रहा है, और लघुकथा उस दर्पण की सबसे सजीव छवि। सविता स्याल समकालीन हिंदी साहित्य की एक सशक्त और संवेदनशील रचनाकार है, जिनकी लेखनी समाज के भीतर बहती भावनात्मक धाराओं को गहराई से छूती है। उनकी लेखनी एक ओर जहां समाज की विडंबनायों को उजागर करती है वहीं दूसरी ओर उम्मीद और आत्मबल का स्वर भी रचती है।

'ताश का घर' लेखिका सविता स्याल द्वारा रचित एक सशक्त लघुकथा- संग्रह है, जो समकालीन समाज की विविध परतों को बड़ी सादगी और गहराई से उजागर करता है। यह संग्रह न केवल मानवीय संबंधों की पड़ताल करता है बल्कि उन मौन द्वंदों और विसंगतियों को भी सामने लाता है जिन्हें अक्सर समाज के बहाव में अनदेखा कर दिया जाता है। सविता स्याल ने अपनी लघु कथाओं में समाज के विभिन्न पहलुओं को उकेरा है जैसे ' दोषी कौन', ' मी टू', ' मृगतृष्णा' , ' रक्षक/ भक्षक', ' वापसी' जैसी लघुकथाएं इसका उदाहरण है। बाल मनोविज्ञान पर लिखी लघुकथाएं जैसे ' जूम वाली दादी' एवं ' एक दोस्ती ऐसी भी' एक अलग ही प्रभाव छोड़ती हैं। मानवी संवेदनाओं से ओतप्रोत ' दूसरी मां' तथा ' डील' भी संग्रह की खूबसूरत रचनाएं हैं और मानव मन पर एक अलग ही प्रभाव छोड़ती है। 'श्राद्ध' एक अनूठे प्यार की लघुकथा है जिसमें पति पारंपरिक लीक से हटकर पत्नी का श्राद्ध करता है। शीर्षक कथा ' ताश का घर' की बात करें तो जिसके माध्यम से लेखिका ने बिना विवाह किए साथ रहने वाले युवाओं को उसके दुष्परिणामों के बारे में सचेत किया है। यह लघुकथा बहुत से नौजवानों को राह दिखाने का काम करेगी। हर लघुकथा एक सामाजिक प्रश्न खड़ा करती है। कई लघुकथाओं में लेखिका ने उनका समाधान भी बताया है परंतु कुछ लघुकथाएं पाठकों के लिए छोड़ दी हैं जिनका उत्तर पाठक को स्वयं तलाशना होगा। सविता स्याल की भाषा सरल, संवेदनशील और बिंबात्मक है। शैली संवाद प्रधान होने के साथ-साथ सूक्ष्म व्यंग्य और भावनात्मक गहराई का सुंदर संयोजन है। ' ताश का घर' उन साहित्य प्रेमियों के लिए एक अनिवार्य संग्रह है जो लघुकथा को केवल रचना नहीं सामाजिक संवाद मानते हैं। यह पुस्तक विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक शोधकर्ताओं और संवेदनशील पाठकों के लिए उपयोगी है। लेखका को ढेरों शुभकामनाएं एवं आशा करती हूं कि इस प्रथम लघुकथा संग्रह के बाद उनकी कलम लगातार लघुकथा सर्जन पर भी चलती रहेगी।

## खबर संक्षेप

### वरिष्ठ पेंशनर्स सम्मान समारोह 10 अक्तूबर को

**सिरसा।** हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन यूनिट सिरसा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11वां वरिष्ठ पेंशनर्स सम्मान समारोह पेंशनर्स मीटिंग हॉल 33 केवी में बड़ी धूमधाम से 10 अक्तूबर शुक्रवार को सुबह 10 बजे मनाया जाएगा। प्रधान वीके गर्ग ने बताया कि इस समारोह में सिरसा जिले के वरिष्ठ पेंशनर्स के साथ-साथ स्थानीय कार्यरत सभी अधिकारियों को भी आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने सिरसा जिले के सभी पेंशनर्स सदस्यों व अधिकारियों से आह्वान किया कि वे तय समय पर कार्यक्रम में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। एसोसिएशन के सचिव रणसिंह यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में 80 वर्ष पूरे करने वाले वरिष्ठ पेंशनर्स व 75 वर्ष पूरे करने वाले पेंशनर्स और अक्तूबर माह में जिन पेंशनर्स का जन्मदिन है, उन्हें भी सम्मानित किया जाएगा।

### सरेआम सट्टा खाईवाल करते एक गिरफ्तार

**हांसी।** जिला भर में सट्टा व जुआ खेलने वालों पर लगाम लगाते हुए स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस ने सरेआम सट्टा खाईवाल करते हुए 10250 रुपए के साथ लाल सड़क निवासी सोनू को गिरफ्तार किया है। स्पेशल स्टाफ में तैनात मुख्य सिपाही मुकेश कुमार ने बताया कि स्पेशल स्टाफ हांसी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति लाला हुक्म चंद जैन पार्क में सरेआम सट्टा खाईवाल कर रहा है। सूचना के आधार पर टीम का गठन किया गया और टीम ने मौके पर जाकर सोनू को 10250 रुपये सहित गिरफ्तार करके रुपए को कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना शहर हांसी में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

### धोखाधड़ी करने वाला तीसरा आरोपी गिरफ्तार

**हांसी।** थाना साइबर क्राइम पुलिस ने पार्ट टाइम जॉब कर टास्क पूरा करने के नाम पर 3,33,676 रुपये की धोखाधड़ी मामले में एक आरोपी सिरसा जिले के ऐलनाबाद निवासी अंकित को गिरफ्तार किया है। थाना साइबर क्राइम में तैनात एएसआई सज्जन कुमार ने बताया कि आरोपी ने कुछ दिन पहले अपने दोस्तों के साथ मिलकर गांव बास निवासी मनीष को पार्ट टाइम जॉब व टास्क पूरा करने के नाम पर 3,33,676 रुपये की धोखाधड़ी की थी।

### सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**हांसी।** थाना शहर पुलिस ने बिजली घर से बिजली का सम्मान चोरी मामले में आरोपी राजस्थान के राकेश को गिरफ्तार किया है। थाना शहर में तैनात एएसआई राजीव कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपी ने कुछ दिनों पहले हांसी बिजली घर में से बिजली का सामान चोरी कर लिया था।

---

### गांव ढाणी सांचला और महमदकी में चलाया जागरुकता अभियान

# नशा मुक्ति अभियान : 10 पीड़ितों की काउंसलिंग कर दी दवाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा जिलेभर में नशा मुक्ति अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना क्षेत्र के अंतर्गत उपनिरीक्षक सुंदर के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने गांव ढाणी सांचला और गांव महमदकी का दौरा करते हुए ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक किया। टीम ने सबसे पहले राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ढाणी सांचला में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया।

**फतेहाबाद।** विद्यार्थियों को संबोधित करते नशा मुक्ति टीम इंचार्ज एसआई सुंदर।

**सेमीनार में किया जागरूक**

जिसमें विद्यार्थियों को नशे के खतरों, स्वास्थ्य पर उसके प्रभाव और नशे से दूर रहने के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। टीम ने बच्चों को समझाया कि नशे की शुरुआत अक्सर मजाक या साथियों के दबाव में होती है, जो धीरे-धीरे जीवन को बर्बाद कर देती है। छात्रों से वचन लिया गया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने आस-पास के लोगों को भी इससे बचने के लिए प्रेरित करेंगे।

**टीम ने किया लोगों से संवाद**

*सेमिनार के बाद टीम ने गांव की गलियों और चौराहों पर लोगों से संवाद किया, उन्हें नशा तस्करी और नशा सेवन के कानूनी पहलुओं की जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि नशे के फैलाव को रोका जा सके। अभियान के दौरान नशा मुक्ति टीम ने 3 ड्रग पीड़ितों को ढाणी सांचला से और 7 पीड़ितों को गांव महमदकी से चिन्हित किया। इन सभी 10 ड्रग पीड़ितों के डोजयरि फॉर्म भरकर उनकी विस्तृत काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के बाद टीम ने उन्हें आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक औषधियां उपलब्ध कराईं ताकि वे नशे से छुटकारा पाने की प्रक्रिया शुरू कर सकें। नशा मुक्ति टीम इंचार्ज एसआई सुंदर ने बताया कि नशे से मुक्ति केवल पुलिस या प्रशासन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य नशा पीड़ितों को सजा नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा दिखाना और पुनर्वास दिलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि फतेहाबाद पुलिस द्वारा ऐसे जागरूकता अभियानों को निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि युवाओं को नशे के दलदल में फँसने से पहले ही रोका जा सके और समाज को नशामुक्त बनाया जा सके।*

---

**सिरसा।** शिविर में आंखों की जांच करते चिकित्सक। *फोटो : हरिभूमि*

# शिविर में सैकड़ों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

बिश्नोई सभा सिरसा द्वारा बिश्नोई धर्मशाला में रविवार को नेत्र जांच व ऑप्रेशन शिविर लगाया गया। सभा के सचिव ओपी बिश्नोई ने बताया कि कैंप में नेत्र रोग विशेषज्ञों ने सैकड़ों मरीजों की आंखों की जांच कंप्यूटर द्वारा कर उन्हें उपचार के साथ-साथ उचित परामर्श दिया। जांच में मोतियाबिंद से ग्रस्त पाए गए मरीजों का ऑप्रेशन भी सभा द्वारा निःशुल्क फीको मशीन द्वारा बिना मशीन व बिना टांके के सफेद मोतिया का लैंसवाला ऑप्रेशन किया गया। सभा के उपप्रधान व कैंप प्रभारी कृष्णपाल बेनीवाल ने बताया कि शिविर में जरूरत के हिसाब से मरीजों को निःशुल्क दवाएं व चश्मे भी दिए गए। इस मौके पर डॉ. बलराम जलंधरा ने कहा कि आंखें मनुष्य शरीर का सबसे संवेदनशील अंग है।

**ये रहे उपस्थित**

इस मौके पर सभा सदस्य रिछपाल बेनीवाल पंजुआना, जगतपाल कड़वासरा, भूप सिंह कसवां, सुशील बेनीवाल, कृष्णलाल बेनीवाल, राहुल बिश्नोई, सीताराम बेनीवाल, रूलीराम गोदारा सहित अन्य सभा सदस्य व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

---

# संस्कृत भारती हमारी संस्कृति ज्ञान की मूलधारा: शांति स्वरूप

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

संस्कृत भारती हरियाणा के तत्वावधान में सिरसा जनपद में संस्कृत संभाषण शिविर का उद्घाटन राधा-माधव मंदिर के सभागार में हुआ। इस अवसर पर नगर के संस्कृत प्रेमी, छात्र, शिक्षक तथा समाजसेवी काफी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह में मुख्यातिथि नगरपरिषद के अध्यक्ष शांति स्वरूप भाटी थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भारती केवल एक भाषा संस्था नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की जीवनदायिनी मूलधारा है। इन संभाषण शिविरों में भाग लेने से न केवल भाषा का प्रचार होता है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना भी जागृत होती है।

**सिरसा।** संस्कृत संभाषण शिविर में उपस्थि लोग। *फोटो : हरिभूमि*

**संस्कृत भाषा त्रिवेणी : द्रोण प्रसाद**

सिरसा जनपद के अध्यक्ष द्रोण प्रसाद ने बताया कि यह शिविर आगामी 12 अक्तूबर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा वैज्ञानिकता, तार्किकता और भावनात्मकता की त्रिवेणी है। यह सभी भारतीय भाषाओं की जननी है। आज के युवाओं में संस्कृत के प्रति जिज्ञासा बढ़ रही है, जो अत्यंत आनंददायक है। नगराध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह दस दिवसीय शिविर संवादात्मक शैली में संचालित होगा। इसमें प्रतिभागी संस्कृत में वार्तालाप, श्रवण, पठन और व्यवहार के माध्यम से भाषा का अभ्यास करेंगे। संस्कृत कठिन नहीं, बल्कि सरल, मधुर और सहज भाषा है। सहप्रांत मंत्री भूपेंद्र भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संस्कृत एक सेतु की भांति हमें हमारे गौरवशाली अतीत से जोड़ती है और चिरस्थायी संस्कृति का बोध कराती है।

---

# आरएसएस का शताब्दी वर्ष पर पंच परिवर्तन का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर नेहरू पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कृष्ण हिसार विभाग कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ थे। मुख्य वक्ता कृष्ण ने अपने उद्बोधन में संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर सभी साक्षी स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि इन 100 वर्षों में स्वयंसेवकों की 4 पीढ़ियों ने त्याग, तपस्या से संघ को इस मुकाम तक पहुंचाया है और हम सब इसके साक्षी हैं। इस 100 वर्ष के कार्यकाल में संगठन को विभिन्न प्रकार की प्रताडन्ना, उपहास और विपरीत परिस्थितियों को सहना पड़ा। कई बार संघ पर प्रतिबंध लगा। संघ के स्वयंसेवकों की प्रताडन्ना हुई, उन्हें जेलों में डाला गया। परंतु संघ का कार्य कभी रूका नहीं और दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही गया।

**सिरसा।** कार्यक्रम में भाग लेते स्वयंसेवक। *फोटो : हरिभूमि*

**1925 में 5 स्वयंसेवकों से शुरू हुआ संघ, आज नित्य एक करोड़ के लगभग स्वयं सेवक लेते है भाग**

1925 में 5 स्वयंसेवकों से शुरू हुआ संघ आज वर्तमान में 50 हजार से अधिक स्थानों पर शाखाएं लगा रहा है जिसमें नित्य एक करोड़ के लगभग स्वयं सेवक भाग लेते हैं। बाद में स्वयंसेवकों ने घोषवादन के साथ शिव चौक, सीएमके कॉलेज, बी, सी ब्लॉक व अनाजमंडी क्षेत्र में कदम से कदम मिलाकर पद संचलन किया। अनेक स्थानों पर माताओं-बहनों ने पुष्प वर्षा कर पद संचलन का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में समाज के काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस मौके पर प्रचार विभाग द्वारा साहित्य बिक्री का स्टॉल भी लगाया गया।

---

# महापुरुषों और वीरांगनाओं का इतिहास स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल करे सरकार : भदौरिया

### क्षत्रिय राजपूत महासभा व सर्वसमाज द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

क्षत्रिय राजपूत महासभा व सर्व समाज फतेहाबाद द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती फतेहाबाद में धूमधाम से मनाई गई। मॉडल टाऊन में संदूजा अस्पताल के पास स्थित पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों ने वीरांगना रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर महासभा व सर्वसमाज के सदस्यों ने पार्क में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षत्रिय राजपूत महासभा फतेहाबाद व मारु राजपूत महासभा फतेहाबाद से सुशील राठौड़, कपिल राठौड़, रवि राठौड़, राम प्रसाद सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से की। महासभा के सह सचिव रणबीर भाटी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया।

**फतेहाबाद।** वीरांगना रानी दुर्गावती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन करते महासभा के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

**रानी दुर्गावती के जीवन के बारे दी जानकारी**

*कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षत्रिय राजपूत महासभा के जिला प्रधान जितेन्द्र भदौरिया ने वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती की कहानी साहस और मातृभूमि के प्रति निष्ठा की गाथा है। जितेन्द्र भदौरिया ने बताया कि हरियाणा सरकार के आदेशानुसार सभी सरकारी स्कूलों में यह जयंती मनाई गई। हरियाणा सरकार के इस फैसले पर महासभा प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करती है।*

---

### धूमधाम से मनाई जाएगी महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती

**हिसार।** हरियाणा सरकार की संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत जिले में धूमधाम से महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में रविवार को एक बैठक का आयोजन भी किया गया, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जिला स्तरीय महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती 7 अक्टूबर को मनाई जाएगी। जिला स्तरीय समारोह के दौरान प्रखर वक्ता अपने व्याख्यान देंगे। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक सुरेंद्र सिंह सैनी, तहसील कल्याण अधिकारी मधुबाला, नगर पार्षद राजेंद्र बिड़लान, कुलदीप कांगड़ा, ग्रीवेंस कमेटी सदस्य दीपक, बृजमोहन, ताराचंद, सुंदर नागर, विजय, बलबीर भूम्भक, गणेश, जमुना सिंह चौहान, मेजर चौहान आदि मौजूद रहे।

---

# डेरा सच्चा सौदा में रक्तदान कैंप का किया आयोजन

**सिरसा।** शिविर में रक्तदान करते हुए श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज. ⏭ सिरसा

डेरा सच्चा सौदा में रविवार को रक्तदान कैंप लगाया गया। डेरा अनुयायियों ने रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। रक्तदान शिविर को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर डेरा सच्चा सौदा की साध संगत ने कहा कि यह सेवा कार्य बापू मग्घर सिंह की पुण्य स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने सदैव दूसरों की भलाई को प्राथमिकता दी।

---

# हकृवि में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- विस्तार विशेषज्ञ सूचना प्रौद्योगिकी को ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में लाएं : काम्बोज

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'विस्तार प्रबंधन' विषय पर वैज्ञानिकों एवं विस्तार विशेषज्ञों का 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा संचालित किए गए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। रिफ्रेशर कोर्स में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, गड़वासु विश्वविद्यालय, लुधियाना तथा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने भाग लिया।कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिक और विस्तार विशेषज्ञ सूचना प्रौद्योगिकी का ज्ञान हासिल कर इस प्रौद्योगिकी को ज्यादा से ज्यादा प्रयोग में लाएं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अनुसंधान कार्य तभी सफल होगा जब उसे धरातल तक पहुंचाया जाए। कृषि वैज्ञानिक एवं विस्तार विशेषज्ञ नवीनतम तकनीक एवं शोध कार्यों की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध करवाने के लिए किसानों के साथ संपर्क स्थापित करें। वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत विकास हुआ है।

---

### 18.200 किलो गांजा बरामदगी में मुख्य सप्लायर काबू

*हिसार। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। मामले की गहन जांच में मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार कर नशा तस्करों के नेटवर्क को तोड़ने में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जांच अधिकारी एएसआई सुरेंद्र मोर ने बताया कि इस वर्ष 9 जुलाई को सीआईए टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना आदमपुर क्षेत्र से भोडिया खेड़ा निवासी शेरसिंह को गिरफ्तार किया था। उसके कब्जे से एक प्लास्टिक के कट्टे में 18 किलो 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। जांच के दौरान पता चला कि बरामद गांजा का मुख्य सप्लायर राजस्थान के सीकर जिले के गांव गौडिया बाड़ा निवासी मनोज कुमार है। पुलिस ने टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि मनोज कुमार ने 40 हजार रुपये में 30 किलो गांजा खाबड़ा निवासी पवन को बेचा था, जिसमें से 18 किलो 200 ग्राम गांजा पवन ने शेर सिंह को दिया था। गिरफ्तार सप्लायर मनोज कुमार को अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।*

---

# गंगा में किया लावारिस अस्थियों का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

श्री नीलकंठ समाजसेवा ट्रस्ट द्वारा 25 लावारिस अस्थियों को हरिद्वार स्थित श्रीगंगा जी में प्रवाहित किया गया। संस्था के सचिव जनक दाबड़ा ने बताया कि शनिवार 4 अक्तूबर देर शाम लावारिस अस्थियों के साथ एक जत्था शिवपुरी सिरसा से रवाना हुआ और फतेहाबाद की शिवपुरी से अस्थियों को लेकर हरिद्वार में पहुंचा। सिरसा शिवपुरी से 11, जबकि फतेहाबाद शिवपुरी से 14 अस्थियां एकत्रित की गई और रविवार 5 अक्तूबर को विधिविधान के साथ हरिद्वार में स्थित श्री गंगा में विसर्जित की गई। जनक दाबड़ा ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा लंबे अरसे से लावारिस अस्थियों का विसर्जन हरिद्वार में किया जाता है। ट्रस्ट की ओर से नववर्ष पर श्री नीलकंठ में भंडारा, दोनों शिवरात्रि के अवसर पर शिवपुरी सिरसा में भंडारे लगाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य समाजहित कार्य भी किए जाते हैं। जरूरतमंदों की सहायता के लिए 5 किलोमीटर के दायरे में एंबुलेंस सेवाएं भी दी जा रही हैं। इस मौके पर वीना मुंजाल, राजेश फुटेला, अशोक सलूजा, शुभकरण रातुसरिया, नरेश बब्बर, वेदप्रकाश कामरा, बिशंबर खुंगर, बाल सिंह रेणु, संजय सलूजा, सुरेंद्र बब्बर, दीनदयाल कंदोई, अमरजीत खुराना, लक्की मेहता, तरुण गर्ग भी मौजूद थे।

---

# एसोसिएशन ने उठाए लंबित मुद्दे

**सिरसा।** सदस्यों को पटका पहनाकर स्वागत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

**सिरसा।** ऑल इंडिया पीएनबी पेंशनर एंड रिटायरी एसोसिएशन सिरसा सर्कल का प्रथम त्रिवार्षिक अधिवेशन सिरसा में हुआ। अधिवेश में प्रदेश महासचिव एमएल अरोड़ा मुख्य वक्ता शामिल हुए जबकि बैंक के सर्कल हैड राजीव गर्ग मुख्यातिथि थे। मुख्य वक्ता एमएल अरोड़ा ने रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों का पुरजोर समर्थन करते हुए अनेक वर्षों से लंबित पड़ी हुई मांगों को शीघ्र ही निपटाए जाने की मांग दोहराई जिनमें पेंशन अपडेशन, निःशुल्क हेल्थ इंश्योरेंस, महंगाई भत्ता फार्मूला, होली डे होम की उचित प्रक्रिया, कम्युटेशन मसला आदि शामिल हैं। सर्कल हैड राजीव गर्ग ने अपने संबोधन में सभी रिटायर्ड कर्मचारियों के आगामी उज्जवल भविष्य की कामना की। मंच संचालन हरदयाल बेरी द्वारा किया गया।

**इनकी हुई नियुक्ति**

आगामी अवधि के लिए सर्वसम्मति से प्रधान रमेश दाहूजा, सर्कल सचिव रमेश मक्कड़, कोषाध्यक्ष वी.के भयाना, चेयरमैन कस्तूरी छाबड़ा, वाइस चेयरमैन सुशील गुप्ता, सोम सेतिया, संरक्षक आरएल माथुर, रमेश जींदगर, उपप्रधान आर.एल महमी, एस के मित्तल सहायक सचिव हरदयाल बेरी, संगठन सचिव गिरधारी बराला को नियुक्त किया गया।

---

**अभियान** जिले में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन चुका अभियान : एसपी

# फतेहाबाद पुलिस का स्वच्छ थाना-चौकी अभियान बना मिसाल, पुलिस कर्मचारियों ने की सफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के नेतृत्व में शुरू हुआ 'स्वच्छ थाना-चौकी अभियान' अब फतेहाबाद जिले में सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है। हर रविवार आयोजित होने वाला यह अभियान अब केवल एक स्वच्छता कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि पुलिसकर्मियों के मनोबल, कार्यसंस्कृति और जनता के विश्वास को नई ऊंचाई दे रहा है। इस पहल के तहत जिलेभर के थानों और चौकियों में नियमित रूप से सफाई, पौधारोपण, दीवारों की पुताई और रिकॉर्ड रूम के रख-रखाव का कार्य किया जा रहा है। अब कई थानों की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। स्वच्छ परिसर, साफ-सुथरे कार्यालय, हरियाली और व्यवस्थित रिकॉर्ड रूम पुलिस की नई पहचान बन चुके हैं। रविवार को भी पुलिस कर्मचारियों ने थानों व चौकियों में साफ-सफाई की।

**फतेहाबाद।** थानों में साफ सफाई करते कर्मचारी।

**थाना लोगों के लिए भरोसे का प्रतीक**

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि एक स्वच्छ थाना सिर्फ कार्यस्थल नहीं, बल्कि नागरिकों के लिए भरोसे का प्रतीक है। जब थाने साफ-सुथरे, अनुशासित और व्यवस्थित होंगे, तभी जनता को यह महसूस होगा कि पुलिस उनकी सेवा के लिए समर्पित है। अभियान की शुरुआत से अब तक पुलिसकर्मियों में साझेदारी और जिम्मेदारी की भावना में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अधिकारी से लेकर सिपाही तक, सभी मिलकर स्वच्छता को अपना साझा मिशन बना चुके हैं। यह अभियान रैंक या पद के भेदभाव से परे टीमवर्क और एकता की मिसाल बन गया है। इस दौरान थानों में न केवल सफाई बल्कि पीने के पानी, स्वच्छ शौचालय और नागरिकों के बैठने की व्यवस्था में भी सुधार किया गया है। नागरिक अब थानों में आने पर एक सम्मानजनक, आत्मीय और भरोसेमंद माहौल का अनुभव कर रहे हैं, जिससे पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास और सहयोग का रिश्ता और मजबूत हुआ है। फतेहाबाद पुलिस ने यह भी तय किया है कि आने वाले हफ्तों में इस अभियान को जन-सहभागिता मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय पंचायतें, विद्यार्थी और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

## खबर संक्षेप

### खेत में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** खेत में चोरी की वारदात को अंजाम देने के मामले में भुना पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। आरोपी की पहचान रिंकू उर्फ गोलू पुत्र धर्मपाल निवासी ढाणी संचला के रूप में हुई है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि 24 अगस्त को शिकायतकर्ता मनीराम पुत्र इन्द्राराम निवासी डूल्ट, थाना भुना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह विजय कुमार पुत्र हेतराम निवासी भूना का अमरूद का बाग भूना-टोहाना रोड पर ठेके पर लेकर अपनी फैमिली सहित वहीं रहता है।शिकायतकर्ता ने बताया कि 23 अगस्त की रात को उसके कमरे में रखी एक सन्दूक चोरी हो गई, जिसमें 25 हजार की नकदी व अन्य सामान था।

### हंसराज बाजीगर प्रधान नियुक्त

**सिरसा।** इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ का विस्तार करते हुए रानियां हलकाध्यक्ष मनोज सचदेवा, हलका संयोजक गुरजंट सिंह घुम्मन की उपस्थिति में अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ रानियां शहरी कार्यकारिणी घोषित की। घोषित कार्यकारिणी में हंसराज बाजीगर को प्रधान बनाया गया जबकि मलकीत राम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गुरमीत राम को प्रधान महासचिव, बलकार राम को प्रचार सचिव, सुखदेव राम को संगठन सचिव, लखवीर राम को कोषाध्यक्ष, जगीराम व प्रीतमराम को उपप्रधान, सुमिंद्राम सिंगीकाट, मंगलराम सिंगीकाट व जब्बरराम सिंगीकाट को महासचिव पद सौंपा गया है।

### गुरु तेग बहादुर की शहादत को नमन

**सिरसा।** गुरु तेग बहादुर की शहादत को किसी एक धर्म या किसी एक समुदाय के साथ जोडऩा उसको छोटा करना है क्योंकि उन्होंने अपनी शहादत मानवीय अधिकारों के लिए दी। आज के दौर में पीड़ितों, अल्पसंख्यकों व दबे कुचले लोगों के पक्ष में खड़े होकर उनकी आवाज बनना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। किसी विचार को मात्र पूजनीय बनाने की बजाय उसको अपने जीवन में अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। यह बात भाई कन्हैया सेवा समिति के मुख्य सेवादार भाई गुरविंद्र सिंह पद्मश्री ने श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहादत वर्ष के उपलक्ष्य राजकीय नैशनल महाविद्यालय में श्री गुरु तेग बहादुर शब्द एवं शहादत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए कही।

### साध्वीश्री ने किया पर्यावरण संरक्षण का आह्वान

**सिरसा।** अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत तरापंथ भवन में पर्यावरण शुद्धि दिवस कार्यक्रम साध्वी संयमप्रभा के सान्निध्य में हुआ। श्रद्धालु आनंद जैन ने बताया कि कार्यक्रम में साध्वी शशिकला ने इस अवसर पर तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक आचार्य भिक्षु स्वामी की तेरस तिथि पर उनके विचारों से उपस्थितजनों को अवगत करवाया। समिति अध्यक्ष चंपालाल जैन ने इस अवसर पर लोगों को पौधारोपण के प्रति कविता के माध्यम से प्रेरित किया।

## फूलां से विधानसभा स्तर की सांसद खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

# खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उत्सव

**शुभारंभ प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने किया**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

रतिया विधानसभा क्षेत्र के गांव फूला में रविवार को सांसद खेल प्रतियोगिता के तहत विधानसभा स्तर के खेलों का शुभारंभ प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने की। इस रतिया विधानसभा स्तर की प्रतियोगिता में रतिया, नागपुर और फतेहाबाद खंड के गांवों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे युवाओं की ऊर्जा, शक्ति और प्रतिभा का उत्सव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलेगा भारत, तो खिलेगा भारत का आह्वान देकर खेलों को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों से देश में नई खेल संस्कृति का विकास हुआ है। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहे।

फतेहाबाद। सांसद खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते प्रदेश के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार वसांसद सुभाष बराला। सांसद खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को सम्मानित करते पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार व सांसद सुभाष बराला।

### सांसद खेल प्रतियोगिता बनेगी ग्रामीण खेल प्रतिभा की पहचान: वेद फूला

हरको फेड चेयरमैन एवं सिरसा लोकसभा क्षेत्र सांसद खेल महोत्सव के कन्वीनर वेद फूला ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को खेल के माध्यम से आगे बढने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करना है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के नेतृत्व में आज खेलों के क्षेत्र में जो नई सोच और नई दिशा बनी है, वह युवाओं को आत्मनिर्भर बनाएगी।

### सांसद खेल महोत्सव करेगा नए भारत के विजन को साकार: बराला

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत-सशक्त भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन युवाओं में टीमवर्क, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करेगा। फतेहाबाद की धरती आज इस बात की गवाह है कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।खेल महोत्सव में पंजीकरण करवाने में सिरसा लोकसभा क्षेत्र पूरे देश में टॉप टेन में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें जीवन में अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व की सीख भी देगी। उन्होंने उपस्थित युवाओं से आह्वान किया कि वे खेलों को केवल जीतने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और आत्मविकास के माध्यम के रूप में अपनाएं।

### गांवों के दो-दो रास्ते होंगे पक्के

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने इस अवसर पर घोषणा की कि जिला फतेहाबाद के सभी 258 गांवों में खेतों के दो-दो दस एकड़ तक के रास्ते पक्के किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के हर क्षेत्र में समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने गांव फूला के स्टेडियम कार्य के लिए जिला परिषद से 21 लाख रुपये, गांव के जोहड़ का जीर्णोद्धार, महिला संस्कृत केंद्र की स्थापना, इंडोर जिम और गांव फूला के खेतों के पाँच रास्ते पक्के करने की भी घोषणा की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सांसद खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं की छिपी प्रतिभा को पहचानना और उन्हें खेलों के माध्यम से आगे बढने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीत-हार का माध्यम नहीं, बल्कि यह हमें अनुशासन, संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की

### हरियाणा खिलाड़ियों की धरती

विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि जब खेलों की बात होती है, तो हरियाणा का नाम सबसे आगे आता है। हरियाणा के खिलाड़ी न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत द्वारा जीते गए 6 पदकों में से 5 हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते।टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के 7 पदकों में से 4 पदक हरियाणा के हिस्से में आए। एशियाई खेल 2022 (हांग्जो) में भारत के 111 पदकों में से 28 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। राष्ट्रमंडल खेल 2022 (बर्मिंघम) में भी हरियाणा ने 20 पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया।उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने युवाओं को प्रशिक्षण देने के लिए 1500 से अधिक खेल नर्सरियां शुरू की हैं और हर साल 500 नई नर्सरियां खोलने का लक्ष्य रखा गया है। हरियाणा अपने खिलाड़ियों को सबसे अधिक नकद पुरस्कार देने वाला राज्य है।

### खेलों को दिया जा रहा बढ़ावा

मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन करीब 15 साल बाद राज्य स्तर पर बड़े पैमाने पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करने जा रहा है। यह आयोजन 2 नवंबर से 9 नवंबर तक विभिन्न जिलों में होगा और इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा गुडग़ांव से किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से न केवल राज्य में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी इलाकों में छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी मिलेगी।

### कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

इस अवसर पर सिरसा लोकसभा क्षेत्र सांसद खेल महोत्सव के कन्वीनर एवं हरको फेड चेयरमैन वेद फूला, जिला परिषद अध्यक्ष सुमन खीचड़, एसडीएम सुरेंद्र सिंह, राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीएसओ विष्णु दास, बलदेव ग्रोहा, गुलशन हंस, नरेश टीटू, बंटी सिहाग, सुभाष खीचड़, रिंकू मान, अनिल सिहाग धांगड़, वेद पुनिया, सरपंच सुनील, जयदीप बराला, राकेश भाम्भू, संदीप तनेजा, सुखविंद्र गोयल, सुनील इंदौरा, मार्केट कमेटी उप प्रधान कुलवंत सैनी, नपा वाइस प्रधान जोगिंद्र नन्दा, निर्मल सिंह, विनोद जग्गा, अरविन्द सिहाग व अन्य मौजूद रहे।

## अग्रोहा मेले को लेकर किया विचार विमर्श

- घोषणा के बावजूद अग्रोह फतेहाबाद-सिरसा को रेलवे लाइन से ना जोडऩे पर जनता में भारी नाराजगी : बजरंग गर्ग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

वैश्य समाज की मीटिंग अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। रविवार को हुई इस मीटिंग में अग्रोहा धाम में लगने वाला विशाल वार्षिक मेले पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित वैश्य समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि अग्रोहा धाम में 7 अक्टूबर को लगने वाला 42वां विशाल वार्षिक मेला ऐतिहासिक होगा। मेले में देशभर से भारी संख्या में लोग भाग लेंगे। बजरंग गर्ग ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिसार अग्रोहा फतेहाबाद सिरसा को रेलवे लाइन से जोडऩे को केंद्रीय वार्षिक बजट में पास किया हुआ है मगर बड़े अफसोस से कहना पड़ रहा है कि काफी समय बीत जाने के बावजूद भी अग्रोहा को रेलवे लाइन से नहीं जोड़ा गया।

केंद्र सरकार द्वारा अपनी घोषणा के बावजूद अग्रोहा-फतेहाबाद-सिरसा को रेलवे लाइन से ना जोडऩे पर जनता में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को अग्रोहा-फतेहाबाद-सिरसा रेलवे लाइन का काम तुरंत प्रभाव से शुरू करना चाहिए ताकि देश व प्रदेश से आने जाने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिल सकें। इस मौके पर पदाधिकारी मौजूद रहे।

फतेहाबाद। समाज के प्रतिनिधियों सम्मानित करते हुए बजरंग गर्ग।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अग्रोहा धाम फतेहाबाद जिला प्रधान सुरेंद्र मित्तल, महिला प्रधान नेहा मित्तल, विनोद मित्तल, नवल जैन, मनोज गर्ग, ललित गोयल, प्रयास गर्ग, देशराज बंसल, सुरेश गर्ग, कुलदीप गर्ग, दीपक जैन, विनोद गर्ग, राजीव जैन, विनोद जिंदल, राजेंद्र जैन, धर्मवीर मित्तल, दीपक तायल, किशन मोगा, पीसी मित्तल, रवि जैन, लक्ष्मण जैन, अशोक मित्तल, प्रेम मित्तल, राजकुमार जिंदल, प्रवीन जिंदल, देवी दयाल तायल, राजीव जैन, कुलदीप जैन, आत्माराम गोयल, हिमांशु मित्तल, श्याम सुंदर बंसल, राजेंद्र बंसल आदि समाज के प्रतिनिधियों भारी संख्या में मौजूद रहे।

## महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा का अनावरण

- महाराजा अग्रसेन चौक पर कार्यक्रम श्रद्धा व भक्ति से गूंजा भूना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

शहर में रविवार को महाराजा अग्रसेन जयंती धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। महाराजा अग्रसेन चौक पर नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सुबह से ही अग्रसेन चौक पर धार्मिक अनुष्ठान और वैदिक मंत्रोच्चारण का माहौल रहा। चौक का उद्घाटन आढ़ती एसोसिएशन के प्रधान मुख्यातिथि फकीरचंद मित्तल ने किया। उन्होंने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर चौक का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान नगरवासी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और समाज के वरिष्ठजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में विनीत कुमार जैन व अन्य मौजूद रहे।

भूना। महाराजा अग्रसेन चौक पर नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण करते लाला भगतराम बंसल के वंशज।

### समाज के वरिष्ठ लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर राजकुमार सिंगला, श्याम लाल बंसल, मनोहर लाल गोयल, जिया लाल बंसल, पूनम सिंगला, दिनेश कुमार, अजय तायल, सुशील सिंगला, रामप्रताप गर्ग, हरिओम गोयल, विजय बंसल, रतनलाल, अनिल जैन, जितेंद्र बंसल, विरेंद्र जैन, सुमित बंसल, विनोद सिंगला, रमेश कुमार गर्ग, श्याम लाल गोयल, अशोक बंसल, प्रवीण जैन, रमेश मित्तल और बजरंग बंसल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## नर्सिंग एसो. की कार्यकारिणी घोषित महेंद्र कौर दोबारा प्रधान बनीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नर्सिंग एसोसिएशन फतेहाबाद की बैठक नागरिक अस्पताल फतेहाबाद में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीनियर नर्सिंग अधिकारी विनोद कुमारी ने की। इस बैठक में जिला भर से संगठन से जुड़े हुए अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सर्व समिति से आगामी वर्ष के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। निवर्तमान प्रधान महेंद्र कौर को पुनः प्रधान नियुक्त किया गया। सुमित्रा और अजय बिश्नोई को उपप्रधान, प्रमोद ढाका व सुमन दहिया भूना को सचिव, नीलम सागू को सहसचिव संदीप चाहर, वी अलबती को कोषाध्यक्ष, पवन वर्मा बड़ोपल व रानी देवी को प्रेस प्रवक्ता बनाया गया। एसएनओ विनोद को ऑडिटर नियुक्त किया गया। वहीं अन्य कार्यकारिणी गठन ओर विस्तार के लिए नवनियुक्त प्रधान को जिम्मेवारी दी गई। इस बैठक में फतेहाबाद से एसएनओ रिंका देवी, दिनेश शाक्य, शुभम टोहाना से गुरप्रीत नीलम रंगा, अमनदीप व अन्य मौजूद रहीं।

फतेहाबाद। नर्सिंग एसोसिएशन की बैठक में मौजूद सदस्य।

## कर्मचारियों का शोषण कर रही सरकार

- आल सफाई कामगार संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा वाल्मीकि प्रकट दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आल सफाई कामगार संयुक्त संघर्ष समिति हरियाणा के आह्वान पर जिला फतेहाबाद में महर्षि गुरु वाल्मीकि जी के प्रकट दिवस पर सफाई कर्मचारियों ने रविवार को नगर परिषद् प्रांगण फतेहाबाद मे विचार गोष्ठी की। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला वरिष्ठ उपप्रधान ओम प्रकाश लोट व ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला प्रधान सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से की। मंच का संचालन नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला सचिव विजय ढाका व सर्व कर्मचारी संघ के पूर्व जिला प्रधान बेगराज ने किया इस विचार गोष्ठी में नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य वरिष्ठ उपप्रधान रमेश तोशामड़, राज्य के पूर्व प्रधान पूनम चन्द रत्ती, उपप्रधान राजेश बागड़ी, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के राज्य महासचिव विनोद कुमार, वाल्मीकि सेवा समिति से ओम प्रकाश चड्ढा, अनूप डच, पवन रत्ती व गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अन्य लोगों ने भी इसमें विचार रखे।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में उपस्थित सफाई कर्मचारी।

### प्रदर्शन में ये रहे मौजूद

आज के इस कार्यक्रम में ब्लॉक प्रधान नरेश राणा, वीरू रत्ती, अमित गिल, ओम प्रकाश झलानिया, ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन से हरपाल सिंह, बलबीर के अलावा पब्लिक हेल्थ, बिजली बोर्ड, आईटीआई, स्कूल, रोडवेज सभी विभागों के सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

## स्थापना दिवस पर शहीदों को किया नमन, लड्डू बांटकर मनाई खुशी

- संयुक्त कर्मचारी संघ की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा पीडब्लयूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित संयुक्त कर्मचारी संघ की स्थानीय शाखा द्वारा संघ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बैठक का आयोजन किया गया। शाखा प्रधान राजू राम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जहां शहीदों को नमन किया गया वहीं लड्डू बांटकर उन्होंने एक दूसरे का मुंह मीठा करवाते हुए स्थापना दिवस की बधाई दी गई। इस दौरान कर्मचारियों के समक्ष पेश आ रही समस्याओं पर भी विचार किया गया तथा अधिकारियों से मिलकर स्थानीय लेवल की समस्यओं के समाधान की मांग करने की बात कही गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान राजूराम शर्मा ने कहा कि आज संघ का स्थापना दिवस है तथा संघ का गठन कर्मचारियों को उनका हक दिलवाने और उनकी समस्यओं के समाधान करवाने को लेकर किया गया था। गठन के बाद से ही संघ के शीर्ष पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के हितों में काम किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को संघ के स्थापना दिवस की बधाई दी।

### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संघ के कौषाध्यक्ष अनिल पंवार, सह सचिव रायसिंह, इस्माइल, सतीश कुमार, अनिल कुमार, राकेश जांगड़ा, रतनलाल रामसरा, वेदनाथ व अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

## जांडवाला में मृत्यभोज पर रोक का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

- जांडवाला की गोशाला में लिया गया ऐतिहासिक निर्णय

श्री कृष्ण गोवंश संरक्षण गौशाला, जांडवाला में एक नई सामाजिक क्रांति की शुरुआत हुई है। यहाँ आयोजित मासिक बैठक में गाँव के 100 से अधिक ग्रामीणों ने मिलकर एक ऐसा महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जो न केवल जांडवाला के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक मिसाल बन गया है। बैठक की अध्यक्षता गौशाला के प्रधान बंसीलाल ने की, जबकि उपप्रधान बलबीर सिंह सिहाग सहित ग्रामीणों की भारी मौजूदगी ने इस कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। सितंबर 2025 के आय-व्यय विवरण के प्रस्तुतिकरण के साथ शुरू हुई बैठक में गौशाला के रख-रखाव, पशुओं की देखभाल, चारा प्रबंधन, पानी की सुविधा, और आश्रय विस्तार जैसी महत्वपूर्ण बातों पर गहन चर्चा हुई। बैठक का सबसे बड़ा और दिल छू लेने वाला फैसला था, गांव में मृत्युभोज (काज) की प्रथा को समाप्त करने का सर्वसम्मत संकल्प।

यह निर्णय इसलिए भी खास है क्योंकि मृत्युभोज का कोई धार्मिक आधार नहीं है। यह परंपरा वर्षों से सामाजिक दबाव और दिखावे की वजह से परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ बन चुकी है। कई बार तो ऐसे परिवार भी इस बोझ तले दब जाते हैं, जो पहले से ही आर्थिक संघर्ष में होते हैं। गौशाला प्रधान बंसीलाल ने कहा कि यह संकल्प केवल एक परंपरा का अंत नहीं है, बल्कि दुख के समय दिखावे के बोझ से मुक्त होकर, समाज निर्माण में योगदान की नई राह है।

## किसान सभा का 15वां राज्य त्रिवार्षिक सम्मेलन का समापन

# बलबीर सिंह बने राज्य प्रधान, सुमित को महासचिव चुना गया

**जलभराव, सेम, बाढ़ के स्थाई समाधान, किसानों व मजदूरों को मुआवजा की मांग को लेकर करेंगे प्रदर्शन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

अखिल भारतीय किसान सभा हरियाणा का भट्टू में आयोजित दो दिवसीय राज्य सम्मेलन का रविवार को समापन हुआ। संगठन से राज्यभर में डीएपी खाद की सुगम उपलब्धता की मांग को लेकर आंदोलन छेडऩे का आह्वान किया। सम्मेलन ने 10 नवंबर को पूरे राज्य में डीएपी खाद की कृत्रिम कमी के खिलाफ और जबरन नैनो और अन्य सामग्री जबरन देने के विरोध में प्रदर्शन आयोजित करने का आह्वान किया। किसान सभा ने जिला कमेटियों को तत्काल बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पानी की निकासी की मांग को लेकर युद्ध स्तर पर प्रदर्शन आयोजित करने के निर्देश दिए गए ताकि रबी फसल की बुवाई में सुविधा हो सके। सम्मेलन में कई प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें अमेरिकी दबाव और भारत के कृषि बाजार में प्रवेश के लिए लगाए गए दंडात्मक शुल्कों के खिलाफ,किसान मजदूर की कर्ज मुक्ति के लिए,आवारा पशुओं पर नियंत्रण के लिए,बिजली निजीकरण और स्मार्ट मीटरों के खिलाफ,साम्प्रदायिक और जातीय ध्रुवीकरण के खिलाफ, सी2 + 50 प्रतिशत न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा कानूनी खरीद गारंटी की मांग के लिए और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में गंभीर अनियमितताओं के खिलाफ प्रस्ताव पारित किए गए। राष्ट्रीय वित्त सचिव कृष्ण प्रसाद ने संगठन को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि गांव स्तर की प्राथमिक इकाइयों को सक्रिय किया जाए और नारा दिया 'हर गांव में किसान सभा- किसान सभा में हर किसान'। उन्होंने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार एमएसपी से नीचे दामों पर फसलें खरीद रही है और कॉरपोरेट कंपनियों को तैयार माल ऊंचे दामों पर बेचने की खुली छूट दी जा रही है। जिला के कपास, मूंगफली के किसान एमएसपी से नीचे अपनी फसलों को बेचने को मजबूर है और हजारों का घाटा वहन कर रहे है। इसके खिलाफ किसान आंदोलन तेज करेगी।

भट्टूकलां। किसान सभा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते किसान नेता।

### कृषि संकट पर प्रतिनिधियों ने की चर्चा

200 से अधिक प्रतिनिधियों द्वारा विस्तृत चर्चा के बाद सम्मेलन ने वर्तमान कृषि संकट और भावी कार्य योजना पर रिपोर्ट को सर्वसम्मति से पारित किया तथा 35 सदस्यीय नई राज्य कमेटी का चुनाव किया। इसमें मास्टर बलबीर सिंह और सुमित को क्रमशः अध्यक्ष और महासचिव के रूप में आगामी तीन वर्ष के लिए पुनः निर्वाचित किया गया। 11 पदाधिकारियों का भी चयन किया गया, जिनमें राजेंद्र बाटू को कोषाध्यक्ष, जगरोशन, सतबीर दयाल, विश्नु और महीपाल को संयुक्त सचिव, तथा शमशेर नंबरदार, डिंपल और प्रीत सिंह को उपाध्यक्ष चुना गया।